Himachal Pradesh
Forest Department

आय सृजन गतिविधि

व्यवसाय योजना

कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई – महुनाग (बजरंगबली– टिकरी)

2023

एसएचजी/नाम	:	महुनाग
वीएफडीएस नाम	:	बजरंगबली -टिकरी
एफटीयू/रेंज	:	मंडी
डीएमयू/मंडल	:	मंडी
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल	द्वारा तैयार:- डीएमयू मंडी, एफटीयू मंडी और महुनाग एसएचजी

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-6
गांव का भौगोलिक विवरण	6
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
उत्पादन योजना का विवरण	7
विपणन /बिक्री का विवरण	7-8
अर्थशास्त्र का विवरण	8-9
वित् की आवश्यकता	10
निगरानी विधि	11
टिपणी	11
व्यवसाय योजना स्वेटर एवं जुराब बुनाई	12
कार्यकारी सारांश	12
खर्चों की जानकारी	12-13
उत्पादन की लागत	13
परियोजना की कुल लागत	14
अनुलग्नक	15

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों)MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर(, ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तरउत्तर पूर्व-, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिकआर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर - हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

बजरंगबली –टिकरीवन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, महुनाग स्वयं सहायता समुह ", कटाई सिलाई और बुनाई से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिकआर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए-, उन्होंने कटाई, सिलाई और बुनाई करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के दल जिसमें जितेन शर्मा, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल मंडी, सुनीता कुमारी फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर मंडी परिक्षेत्र, लेख राज वन रक्षक, बड़सू बीट और विपिन कुमार,वनखंड अधिकारी, वन खंड **सदर** शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार

करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

कार्यकारी सारांश

बजरंगबली –टिकरी वन ग्रामीण विकास समिति-:

बजरंगबली–टिकरी वन ग्रामीण विकास समिति, माण्डल राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है । इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत टिकरी में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के **सदर** वन खण्ड में स्थित है और 31°35’13”N अक्षांश -76°57’32” E देशांतर के बीच स्थित है। बजरंगबली – टिकरीवन ग्रामीण विकास समिति ,मंडी वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के मंडी वन परिक्षेत्र के तहत **सदर** वन खण्ड की बड़सू बीट के अंतर्गत आता है ।

परिवारों की संख्या	99
बीपीएल परिवार	13
कुल जनसंख्या	349
कुल मवेशी	86

महुनाग - एसएचजी

महुनाग एसएचजी का गठन **08-02-2023** में बजरंगबली –टिकरी वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार में सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान महिलाएं शामिल हैं। महिला मंडल-सरध्वार महिला समूह (10 महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बुनाई जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 10 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह प्रति सदस्य है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

फोटो के साथ महुनाग एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पति	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1	**श्रीमती** नेहा कुमारी	**श्री** गगन गुलेरीया	अध्यक्ष	सामान्य	32	12^{th}	9459854352
2	**श्रीमती** हर्ष लता	**श्री** राहुल गुलेरीया	सचिव	सामान्य	22	12^{th}	8544711047
3	**श्रीमती** बिमला देवी	**श्री** विनोद कुमार	सदस्य	सामान्य	42	12^{th}	7876489327
4	**श्रीमती** सीमा देवी	**श्री** सोनी कुमार	सदस्य	सामान्य	43	12^{th}	9507356465
5	**श्रीमती** प्रोमिला	**श्री** रमेश कुमार	सदस्य	सामान्य	42	12^{th}	9817033781
6	**श्रीमती** नर्वदा	**श्री** यादव कुमार	सदस्य	सामान्य	63	7^{th}	8988186042
7	**श्रीमती** मीरा देवी	**श्री** शेर सिंह	सदस्य	सामान्य	54	10^{th}	9816807304
8	**श्रीमती** मीरा देवी	**श्री** हेम सिंह	सदस्य	सामान्य	52	-------	9418182053
9	**श्रीमती** सरोज देवी	**श्री** हेम राज	सदस्य	सामान्य	50	8^{th}	----------
10	**श्रीमती** तारा देवी	**श्री** कृष्ण कुमार	सदस्य	सामान्य		10^{th}	9015307826

महुनाग एसएचजी समूह के सदस्य

1. **श्रीमती नेहा (अध्यक्ष)**

2. श्रीमती हर्ष लता (सचिव)

3.श्रीमती बिमला देवी

4.श्रीमती सीमा देवी (सदस्य)

5. श्रीमती प्रोमिला देवी (सदस्य)

6.श्रीमती नर्वदा देवी (सदस्य)

7.श्रीमती मीरा देवी (सदस्य)

8.श्रीमती तारा (सदस्य)

8.श्रीमती मीरा देवी (सदस्य)

9.श्रीमती सरोज (सदस्य)

महुनाग स्वयं सहायता समूह वीएफडीएस - बजरंगबली –टिकरी

एसएचजी का नाम	::	**महुनाग**
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	**बजरंगबली -टिकरी**
परिक्षेत्र	::	**मंडी**
वन मण्डल	::	**मंडी**
गांव	::	**टिकरी**
खंड	::	**सदर**
ज़िला	::	**मंडी**
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	**10**
गठन की तिथि	::	**08-02-2023**
बैंक का नाम और विवरण	::	**पंजाब एंड सिंध बैंक-भंगरोटू**
बैंक खाता संख्या	::	**10651000003998**
एसएचजी/मासिक बचत	::	**1000**
कुल बचत	::	**10000**
कुल अंतर-ऋण	::	**5000**
नकद ऋण सीमा	::	
चुकौती स्थिति		**तिमाही आधार**

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	**14 किमी**
मेन रोड से दूर	: :	**0 किमी**
स्थानीय बाजार और दूसरे बाज़ार का नाम	:	**नेर चौक- 3 किमी, भंगरोटू-2 किमी**
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	**मंडी- 14 किमी, सूंदर नगर -15 किमी, नेर चौक- 3 किमी**
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	**मंडी, नेर चौक, भंगरोटू**
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बुनाई से उनकी आय में वृद्धि होगी इसलिएइस गतिविधीको समूह ने चुना।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	:: ::	अन्तर्निहित गांव – **टिकरी** **मंडी- 14 किमी, सूंदर नगर -15 किमी, नेर चौक- 3 किमी** मंडी आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
सिलाई मशीन	4	8000	32000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
मोटर संचालित मशीन	1	15000	15000
एम्ब्रिडरी मशीन	1	15000	15000
दर्जी कैंची	10	400	4000
सिलाई रूलर (फीता) सेट	10	600	6000
सिलाई दर्जी Tape	10	100	1000
आयरन प्रेस	2	500	1000
अलमारी	3-4	लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**90,800**

बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					**7800**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	1050
कुल	**8850**

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	**इकाई**	**मात्रा**	**राशि (रु.)**	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	1050
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8850)	28650
शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता: कटाई, सिलाई

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	90800	68100	22700
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	75000	75000	0
कुल	**173600**	**143100**	**30500**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%
- **आवर्ती लागत -** एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	• पूंजीगत लागत का 75 % मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	□ पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। □ स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी:

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधी स्वेटर एवं जुराब बुनाई है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशन के समय लिया गया,है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधी सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना

महुनाग

द्वारा

स्वेटर एवं जुराब बुनाई

कार्यकारी सारांश

स्वैटर एवं जुराबें उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगों को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण स्वैटर और जुराबें उत्पादन कम खर्चे पर करके अपनी आजीविका बढ़ा सकते हैं । इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ौतरी कर सकते हैं। लेकिन इस गतिविधि को ग्रामीण क्षेत्रों में चलाने में समस्या यह है कि गांव में स्वैटर व जुराबें उत्पादन पारम्परिक तरीके से हो रहा है । जिससे उत्पादन काफी कम हो रहा है। इस समस्या को दूर करने के लिए तथा कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिए उन्नत किस्म की बुनाईं मशीनें नई वैज्ञानिक तकनीक से तैयार की हैं। जिनसे गांव के लोग अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं और आय अर्जित कर सकते हैं।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
बुनाई मशीन	02	8000	16,000
धागा रोलर	01	6000	6,000
बुनाई मशीन (कार्ड वाली)	01	50000	50,000
छोटी कैंची	05	150	750
तोल मशीन	1	2000	2,000
भंडारण बॉक्स	01	5000	5000
कुल पूंजीगत लागत =			**79750**

आवर्ती लागत				
विवरण	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
ऊनी धागा (ओसवाल)	किग्रा/माह	78	700	54600
2 प्लाई ऊन	किग्रा/माह	24	400	9600
अन्य (कागज़, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मुरम्मत)	महीना	1	1000	1000
आवर्ती लागत				**65200**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	**राशि (रु.)**
कुल आवर्ती लागत	65200
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	700
कुल	**65900**

उत्पादन की लागत (प्रति माह)

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन स्वैटर = 8 न0 ;यदि प्रतिदिन 3.4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह स्वैटर = 130 न0

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन जुराबें = 15 न0 जोड़ी ;यदि प्रतिदिन 3.4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह = 240 न0 जोड़ी

130 न0 स्वैटर के लिए ऊन की आवश्यकता = 78 कि0ग्राम

ऊन का औसतन बाजार मूल्य = 54600 ६रूपये

240 जोड़ी जुराबों के लिए ऊन के धागे की आवष्यकता = 24 कि0 ग्रा0

जुराब के धागे का बाज़ार मूल्य = 9600६ रूपये

आय प्रतिमाह

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (स्वैटर) = 130 न0

एक स्वैटर का औसत बाज़ार मूल्य = 800६ रू0

समूह की औसत आय = 104000रू0

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (जुराबें) = 240 न0 जोड़ी

एक जोड़ी जुराब का औसत बाज़ार मूल्य = 150६ रू0

समूह की औसत आय = 36000रू0

लाभ प्रति माह

समूह का लाभ प्रति माह = औसत आय -औसत लागत

=(104000+36000)-(54600+9600)रू0

=75800 रू0

इसमें समूह के सदस्यों की मजदूरी भी सम्मिलित है

वित् की आवश्यकता: स्वेटर एवं जुराब बुनाई

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	79750	59812	19938
कुल आवर्ती लागत	65200	0	65200
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	**1,94,950**	**1,09,812**	**85,138**

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = **90,800**/-

आवर्ती लागत = 7800/-

प्रशिक्षण=75000

कटाई, सिलाई के लिए कुल =173600/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 79750/-

आवर्ती लागत = 65200/-

प्रशिक्षण=50000

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना के लिए कुल = 194950/-

व्यवसाय योजना का कुल योग =173600/ +194950/=3,68,550/- रु. केवल

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	कटाई, सिलाई	90,800/-	7800	68100	30500	98600
2.	स्वेटर एवं जुराब बुनाई	79750	65200	59812	85138	144950
3	प्रशिक्षण	125000		125000		125000
	कुल	2,95.550	73,000	2,52,912	1,15,638	3,68,550

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%
- **आवर्ती लागत -** एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

अनुलग्नक–1

हम **महुनाग** - समूह के सभी सदस्य यह प्रतिज्ञा लेते हैं की सभी. सदस्य समूह की आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमत है तथा एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार जेआईसीए परियोजना और **बजरंगबली टिकरी वीएफडीएस** के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना द्वारा दिशानिर्देश के अनुसार समूह ने (**सिलाई,कटाई और बुनाई** की गतिविधियों) को चुना गया।

क्र स	नाम	पति	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	हस्ताक्षर
1	**श्रीमती** नेहा कुमारी	**श्री** गगन गुलेरीया	अध्यक्ष	सामान्य	32	12^{th}	
2	**श्रीमती** हर्ष लता	**श्री** राहुल गुलेरीया	सचिव	सामान्य	22	12^{th}	
3	**श्रीमती** बिमला देवी	**श्री** विनोद कुमार	सदस्य	सामान्य	42	12^{th}	
4	**श्रीमती** सीमा देवी	**श्री** सोनी कुमार	सदस्य	सामान्य	43	12^{th}	
5	**श्रीमती** प्रोमिला	**श्री** रमेश कुमार	सदस्य	सामान्य	42	12^{th}	
6	**श्रीमती** नर्वदा	**श्री** यादव कुमार	सदस्य	सामान्य	63	7^{th}	
7	**श्रीमती** मीरा देवी	**श्री** शेर सिंह	सदस्य	सामान्य	54	10^{th}	
8	**श्रीमती** मीरा देवी	**श्री** हेम सिंह	सदस्य	सामान्य	52	-------	
9	**श्रीमती** सरोज देवी	**श्री** हेम राज	सदस्य	सामान्य	50	8^{th}	
10	**श्रीमती** तारा देवी	**श्री** कृष्ण कुमार	सदस्य	सामान्य		10^{th}	

अनुलग्नक-1

हम **महुनाग** - समूह के सभी सदस्य यह प्रतिज्ञा लेते हैं की सभी. सदस्य समूह की आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमत है तथा एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार जेआईसीए परियोजना और **बजरंगबली टिकरी वीएफडीएस** के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना द्वारा दिशानिर्देश के अनुसार समूह ने **(सिलाई,कटाई और बुनाई** की गतिविधियों) को चुना गया।

क्र स	नाम	पति	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	**हस्ताक्षर**
1	**श्रीमती** नेहा कुमारी	**श्री** गगन गुलेरीया	अध्यक्ष	सामान्य	32	12th	Neha kumari
2	**श्रीमती** हर्ष लता	**श्री** राहुल गुलेरीया	सचिव	सामान्य	22	12th	Harshlata
3	**श्रीमती** बिमला देवी	**श्री** विनोद कुमार	सदस्य	सामान्य	42	12th	Bimla
4	**श्रीमती** सीमा देवी	**श्री** सोनी कुमार	सदस्य	सामान्य	43	12th	सीमा
5	**श्रीमती** प्रोमिला	**श्री** रमेश कुमार	सदस्य	सामान्य	42	12th	Promila
6	**श्रीमती** नर्वदा	**श्री** यादव कुमार	सदस्य	सामान्य	63	7th	नर्वदा
7	**श्रीमती** मीरा देवी	**श्री** शेर सिंह	सदस्य	सामान्य	54	10th	
8	**श्रीमती** मीरा देवी	**श्री** हेम सिंह	सदस्य	सामान्य	52	-------	
9	**श्रीमती** सरोज देवी	**श्री** हेम राज	सदस्य	सामान्य	50	8th	
10	**श्रीमती** तारा देवी	**श्री** कृष्ण कुमार	सदस्य	सामान्य		10th	Tara Devi

Nehakumari
प्रधान

Harshlata
सचिव

मांहूनाग स्वयं सहायता समूह
गांव व डा० माण्डल, तह० बल्ह
जिला मण्डी (हि०प्र०)

प्रधान
सचिव
मांहूनाग स्वयं सहायता समूह
गांव व डा० माण्डल, तह० बल्ह
जिला मण्डी (हि०प्र०)

समूह -सचिव के हस्ताक्षर

प्रधान
सचिव
मांहूनाग स्वयं सहायता समूह
गांव व डा० माण्डल, तह० बल्ह
जिला मण्डी (हि०प्र०)

समूह प्रधान के हस्ताक्षर

वीएफडीएस सचिव के हस्ताक्षर

प्रधान
बजरंग बली ग्रामीण वन विकास समिति
जिला मण्डी (हि०प्र०)

वीएफडीएस प्रधान के हस्ताक्षर

वनरक्षक के हस्ताक्षर

खण्ड अधिकारी के हस्ताक्षर

Range Forest Officer

वन परिक्षेत्र अधिकारी के हस्ताक्षर

डीएमयू द्वारा स्वीकृत
DMU-Cum-D.F.O.
Mandi (H.P.)